ISSN: 0973-0583

झारखण्ड राज्य के राँची जिला के माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के समायोजन प्रक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन

रश्मि कुमारी

शोधार्थी, शिक्षा विभाग, श्री सत्य सांई प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय और चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर, (एमपी)

डॉ० संतोष जगवानी

शोध निदेशिका, शिक्षा विभाग, श्री सत्य सांई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर (एम.पी.)

शोधसार

शिक्षा में किसी के जीवन की आवश्यकता को पूरा करने की क्षमता होती है। बच्चा अलग-अलग परिस्थितियों के साथ कैसे तालमेल बिठाता है यह जीवन की सफलता को निर्धारित करता है। बच्चे का समायोजन घर, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन जैसे कई कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है। यहाँ अन्वेषक का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन पर एक तुलनात्मक अध्ययन करना है। सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग करके अध्ययन किया गया था। कुल 275 छात्र, जिनमें से 151 छात्र थे और 124 छात्राओं का अध्ययन के लिए नमूना बनाया। इनका चयन राँची, झारखंड के आठ माध्यमिक विद्यालयों से कक्षा और लिंग को उचित प्रतिनिधित्व देकर किया गया। अन्वेषक द्वारा तैयार और मानकीकृत समायोजन सूची का उपयोग माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन को मापने के लिए किया गया। अध्ययन के लिए सांख्यिकीय तकनीकी के रूप में प्रतिशत विश्लेषण और टी परीक्षण का उपयोग किया गया। विश्लेषण से पता चला कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का स्तर औसत है। यह भी पाया गया कि छात्र-छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है और परिवार, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन के संबंध में माध्यमिक स्तर पर छात्र-छात्राओं के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

शब्द कुँजी : समायोजन, पारिवारिक समायोजन, सामाजिक समायोजन, भावनात्मक समायोजन, शैक्षिक समायोजन, वित्तीय समायोजन ।

परिचय:

समायोजन शब्द एक सतत प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपने और पर्यावरण के बीच एक अधिक सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाने के लिए अपने व्यवहार को बदलता है। बहुत सख्त अर्थों में समायोजन शब्द संतुलन के परिणामों को दर्शाता है, जो समायोजन या अनुकूलन से प्रभावित हो सकता है। व्यक्ति अपने भौतिक या सामाजिक वातावरण में कैसे साथ रहता है या जीवित रहता है यह समायोजन पर निर्भर करता है। जैसे-जैसे पर्यावरण में स्थितियाँ लगातार बदलती हैं, प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के साथ खुद को संशोधित करने या समायोजित करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार समायोजन मनुष्य और पर्यावरण और उसके भौतिक या सामाजिक वातावरण को शामिल करने वाले व्यक्तियों के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संबंध का रख रखाव है, (**क्रो एंड क्रो, 1956**)। समायोजन बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। **ट्रो (1956)** ने अकादमिक उपलब्धि को विद्यालय के कार्यों में ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता या योग्यता की डिग्री के रूप में परिभाषित किया है, जिसे आमतौर पर मानकीकृत परीक्षणों द्वारा मापा जाता है और विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर एक ग्रेड या इकाइयों में व्यक्त किया जाता है। जहाँ तक शैक्षिक उपलब्धि का संबंध है, अनेक कारक इसे प्रभावित करते हैं। बच्चा घर,

स्कूल, भावनाओं, वित्तीय मामलों और बदलती सामाजिक परिस्थितियों की बदलती परिस्थितियों के अनुकूल कैसे होता है, यह किसी की शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव डाल सकता है। एक अध्ययन में, **इसाबेला (2010)** ने बी. एड छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और सामाजिक आर्थिक स्थिति के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता लगाया। अध्ययन के लिए 151 छात्रों को यादृच्छिक रूप से चुना गया। डेटा एकत्र करने के लिए संशोधित कुप्पुस्वामी के सामाजिक आर्थिक स्थिति पैमाने का उपयोग किया गया। यह दर्शाता है कि माध्यमिक स्तर पर शैक्षणिक उपलब्धि और सामाजिक आर्थिक स्थिति के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध मौजूद नहीं है।

मोहनराज और लता (2005) ने किशोरों में पारिवारिक वातावरण, घर के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जाँच की। अध्ययन उम्र और घर के माहौल में सजातीय था। डववे और डववे परिवार पर्यावरण पैमाने और बेल की समायोजन सूची का उपयोग करके नमूने का मूल्यांकन किया गया था। पारिवारिक वातावरण घर के समायोजन के साथ-साथ अकादमिक प्रदर्शन को भी प्रभावित करता था। **रेड्डी (1976)** द्वारा राव की अकादमिक उपलब्धि सूची और वाक्य पूर्णता उपकरण का उपयोग करके किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि शैक्षणिक समायोजन छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि से महत्वपूर्ण रूप से संबंधित है। **राजू और रहमतुल्ला (2007)** ने पाया कि स्कूली बच्चों का समायोजन मुख्य रूप से स्कूल के चर पर निर्भर करता है जैसे कि जिस कक्षा में वे पढ़ते हैं, शिक्षा का माध्यम और स्कूल के प्रबंधन का प्रकार माता-पिता की शिक्षा और स्कूली बच्चों के व्यवसाय भी छात्रों के समायोजन को प्रभावित करते पाए गए।

अध्ययन का उद्देश्य:

अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

* माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं के समायोजन के स्तर का पता लगाना।
* पारिवारिक समायोजन पर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की तुलना करना
* सामाजिक समायोजन पर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की तुलना करना।
* शैक्षिक समायोजन पर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की तुलना करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ :

अध्ययन के लिए तैयार की गई परिकल्पना निम्नलिखित हैं :

1. ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक समायोजन प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण अन्तर है।
2. ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन प्रक्रिया में अन्तर है।
3. ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के भावनात्मक समायोजन प्रक्रिया में अन्तर है।
4. ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं में शैक्षिक, सामाजिक और भावनात्मक समायोजन प्रक्रिया में अन्तर है।
5. सरकारी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई महत्त्वपूर्ण अन्तर नहीं है।
6. वित्तरहित विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन में कोई महत्त्वपूर्ण अन्तर नहीं है।
7. निजी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई महत्त्वपूर्ण अन्तर नहीं है।

अध्ययन की पद्धति :

कार्यप्रणाली वह प्रक्रिया या तकनीक है जिसका उपयोग शोध अध्ययन करने के लिए किया जाता है। **सर्वेक्षण विधि** को अध्ययन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त पाया गया।

नमूना (Sample):

अध्ययन के लिए झारखंड के राँची जिला के आठ माध्यमिक विद्यालयों से चयनित 275 माध्यमिक छात्रों (छात्र = 151 और छात्राओं = 124) के प्रतिनिधि नमूने लिए गए थे। छात्रों के लिंग जैसे कारकों को उचित प्रतिनिधित्व दिया गया। नमूने का टूटना क्रमशः तालिका 1 में दिखाया गया है।

टूल्स (Tools)

ISSN: 0973-0583

प्रो0 ए. के. पी. सिन्हा (रायपुर) एवं प्रो0 आर. पी. सिंह (पटना) के मानकीकृत समायोजन सूची का उपयोग माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन को मापने के लिए किया गया। इस सूची में पाँच आयाम शामिल हैं। परिवार, स्कूल, वित्तीय, व्यक्तिगत और सामाजिक समायोजन। विश्वसनीयता गुणांक 0.74 पाया गया।

सांख्यिकीय तकनीक :

अन्वेशक ने अध्ययन के लिए निम्नलिखित सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया।

1. प्रतिशत विश्लेषण 2. टी टेस्ट

डेटा की व्याख्या :

प्रारंभिक विश्लेषण के अनुसार, छात्रों के स्तर समायोजन का प्रतिशत वितरण उनकी कक्षाओं के आधार पर निर्धारित किया गया था।

तालिका 2 से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कक्षा VII के 53% कक्षा IX के 52% और कक्षा X के 54% छात्र मध्यम स्तर के पारिवारिक समायोजन दिखाते हैं, जबकि कक्षा VII के 40%, कक्षा IX के 10% और कक्षा के 12% छात्र मध्यम स्तर के होते हैं। X छात्र पारिवारिक समायोजन का निम्न स्तर दिखाते हैं। यह भी देखा जा सकता है कि सातवीं कक्षा के 7%, नौवीं कक्षा के 38% और दसवीं कक्षा के 34% छात्र उच्च स्तर के पारिवारिक समायोजन दिखाते हैं। इस प्रकार अधिकांश उत्तरदाता पारिवारिक समायोजन के मध्यम स्तर के थे। कक्षा IX और X के छात्रों में पारिवारिक समायोजन का निम्न स्तर इंगित करता है कि वे पारिवारिक समस्याओं के संपर्क में थे।

तालिका 1

नमूना वितरण

क्रमांक	चर	छात्रों की संख्या
1.	**कक्षा**	
	VII	101
	IX	139
	X	35
2.	**लिंग**	
	छात्र	151
	छात्रा	124

तालिका 2

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का प्रतिशत दर्शाती है

समायोजन		कक्षा					
		VII	(101)	IX	(139)	VII	(101)
		No	%	No	%	No	%
परिवार	कम	40	40	14	10	4	12
	औसत	54	53	72	52	19	54
	ज्यादा	7	7	53	38	12	34
सामाजिक	कम	26	26	30	22	8	23
	औसत	66	65	94	68	22	63
	ज्यादा	9	9	15	10	5	14
शिक्षात्मक	कम	20	20	24	17	5	14
	औसत	68	67	85	61	24	69
	ज्यादा	13	13	30	22	6	17
वित्तीय	कम	26	26	25	18	5	14
	औसत	57	56	85	61	22	63
	ज्यादा	18	18	29	21	8	23
भावनात्मक	कम	24	24	34	24	11	31
	औसत	60	59	93	67	23	66
	ज्यादा	17	17	12	9	1	3

तालिका 2 से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कक्षा VII के 65% कक्षा IX के 68% और कक्षा X के 63% छात्र मध्यम स्तर का सामाजिक समायोजन दिखाते हैं, जबकि कक्षा VII के 26% कक्षा IX के 22% और कक्षा के 23% छात्र मध्यम स्तर के सामाजिक समायोजन दिखाते हैं। X छात्र सामाजिक समायोजन का निम्न स्तर प्रदर्शित करते हैं। यह भी देखा जा सकता है कि कक्षा VII के 9% कक्षा IX के 10% और कक्षा X के 14% छात्र उच्च स्तर का सामाजिक समायोजन दिखाते हैं। इस प्रकार अधिकांश उत्तरदाताओं को सामाजिक समायोजन के मध्यम स्तर का पाया गया। तालिका 2 से, सातवीं कक्षा के 67% कक्षा IX के 61% और दसवीं कक्षा के 69% छात्रों ने शैक्षिक समायोजन का मध्यम स्तर दिखाया,

जबकि सातवीं कक्षा के 20%, कक्षा IX के 17% और दसवीं कक्षा के 14% छात्र निम्न स्तर दिखाते हैं। शैक्षिक समायोजन का। यह भी देखा जा सकता है कि सातवीं कक्षा के 13%, नौवीं कक्षा के 22% और दसवीं कक्षा के 17% छात्र उच्च स्तर का शैक्षिक समायोजन दिखाते हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं को शैक्षिक समायोजन के मध्यम स्तर में पाया गया।

अधियाम्बो, ओडवार और मिल्ड्रेड (2011) द्वारा किए गए अध्ययन में बताए गए अनुसार स्कूल समायोजन का निम्न स्तर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है क्योंकि स्कूल समायोजन में अंतर उच्च और निम्न प्राप्तकर्त्ताओं के बीच प्रकट हो सकता है। तालिका 2 से देखा जा सकता है कि कक्षा VII के 56%, कक्षा IX के 61% और कक्षा X के 63% छात्र मध्यम स्तर के वित्तीय समायोजन दिखाते हैं जबकि कक्षा VII के 24%, कक्षा IX के 24% और कक्षा के 31% छात्र मध्यम स्तर के वित्तीय समायोजन दिखाते हैं। X छात्र वित्तीय समायोजन का निम्न स्तर दिखाते हैं। यह भी देखा जा सकता है कि सातवीं कक्षा के 18%, नौवीं कक्षा के 21% और दसवीं कक्षा के 23% छात्र उच्च स्तर का शैक्षिक समायोजन दिखाते हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं को वित्तीय समायोजन के मध्यम स्तर का पाया गया। तालिका से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कक्षा VII के 59%, कक्षा IX के 67% और कक्षा X के 66% छात्र मध्यम स्तर का भावनात्मक समायोजन दिखाते हैं जबकि कक्षा VII के 26%, कक्षा IX के 18% और कक्षा के 14% छात्र मध्यम स्तर के भावनात्मक समायोजन दिखाते हैं। X के छात्र निम्न स्तर का भावनात्मक समायोजन दिखाते हैं।

यह भी देखा जा सकता है कि कक्षा VII के 17%, कक्षा IX के 9% और कक्षा X के 3% छात्र उच्च स्तर का भावनात्मक समायोजन दिखाते हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं को भावनात्मक समायोजन के मध्यम स्तर में पाया गया। भावनात्मक समायोजन के लिए निम्न स्तर इंगित करता है कि इस अध्ययन में कई विषय तनाव, मानसिक तनाव, अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, सहकारी कार्यों आदि के अधीन हो सकते हैं।

तालिका 3

छात्र-छात्राओं के समायोजन में अंतर

क्रमांक	समायोजन		छात्र छात्रा151	छात्रा छात्रा124	value
1.	परिवार	Mean	8.09	7.98	0.45
		S.D	1.78	1.97	
2.	सामाजिक	Mean	6.94	7.15	-0.84
		S.D	2.01	2.01	
3.	शिक्षात्मक	Mean	6.58	6.33	1.03
		S.D	2.05	1.99	
4.	वित्तीय	Mean	7.57	7.18	1.45
		S.D	1.95	2.43	
5.	भावनात्मक	Mean	6.13	5.63	2.04*
		S.D	2.11	1.98	

तालिका 3 छात्र-छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर दिखाती है (ज=2.04 झ1.96)। छात्र-छात्राओं के परिवार, सामाजिक, शैक्षिक और समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। यह परिणाम **गनई एवं अन्य (2013)** के अध्ययन से सहमत है कि छात्र-छात्राओं पारिवारिक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन के संदर्भ में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखाते हैं। परिणाम यह हुआ कि यह अध्ययन **गनई एवं अन्य (2013)** से अलग है क्योंकि भावनात्मक समायोजन के लिए छात्र-छात्राओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। अध्ययन से पता चलता है कि छात्र-छात्राओं की तुलना में बेहतर भावनात्मक समायोजन होता है। अंतर इस तथ्य के कारण हो सकता है कि छात्राओं भावनाओं को वश में करने के लिए मजबूर होती हैं, कभी-कभी अंतर्मुखी हो जाती हैं और स्वतंत्र रूप से बोलने में संकोच कर सकती हैं। **येलैया (2012)** के अध्ययन में यह भी पाया गया कि छात्र-छात्राओं अपने भावनात्मक समायोजन में काफी भिन्न होते हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष :

1. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का स्तर औसत है।
2. छात्र-छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर होता है।

3. माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।
4. छात्र-छात्राओं की तुलना में बेहतर भावनात्मक समायोजन होता है।

निष्कर्ष:

समायोजन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक जीवित जीव अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की संतुष्टि को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाए रखता है। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए तनाव, तनाव, संघर्ष आदि से निपटने का प्रयास करता है।

समायोजन की प्रक्रिया में व्यक्ति उचित समय पर पर्यावरण के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रख सकता है। अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि इस अध्ययन के लिए जनसंख्या, इस तथ्य के बावजूद कि परिवार, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन के संबंध में छात्र-छात्राओं माध्यमिक विद्यालय के बीच कोई अंतर नहीं थे, छात्र-छात्राओं की तुलना में अधिक भावनात्मक समायोजन दिखाया।

प्रतिशत विश्लेषण से पता चलता है कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में समायोजन के सभी आयामों के लिए समायोजन का केवल एक मध्यम स्तर होता है। समायोजन के हर आयाम में उच्च स्तर का समायोजन केवल कुछ ही छात्रों के लिए दिखाया जाता है और व्यक्ति की सफल भलाई के लिए इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इस प्रकार अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए समायोजन कार्यक्रमों को विकसित करने और लागू करने की आवश्यकता पर जोर देता है। छात्र-छात्राओं माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के भावनात्मक समायोजन में अंतर छात्रों के व्यवहार और शैक्षणिक उपलब्धि दोनों को प्रकट कर सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. क्रो, एल.डी., और क्रो, ए. (1956)। हमारे व्यवहार को समझना। न्यूयॉर्क: अल्फ्रेड ए. नॉफ.।
2. गनई एवं अन्य (2013)। कॉलेज के छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एसेज. 1(1) 5-8.।
3. इसाबेला, ए। (2010)। बी.एड छात्र शिक्षकों की उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि। एडु ट्रैक, 10 (3), 27-28।
4. मोहनराज।, और लता (2005)। समायोजन एवं शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में पारिवारिक वातावरण का अनुभव किया। इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी का जर्नल, 31, 18-23।
5. राजू, एम।, और रहमतुल्ला (2007)। स्कूली छात्रों में समायोजन की समस्या। जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी आफॅ इंडियन साइकोलॉजी। 33(1), 2007, 73-79.।
6. रेढी, आई. वी. आर., (1976)। माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में शैक्षणिक समायोजन-एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, पीएच. डी. एडुकेशन।, एसवीयू।
7. ट्रो, डब्ल्यू.सी. (1956)। शिक्षण और कमाई में मनोविज्ञान, बोस्टन: ह्यूटन मिफ्लिन कंपनी।
8. येलैया। (2012)। हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर समायोजन का एक अध्ययन। सामाजिक विज्ञान और अंत: विषय अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।1(5),।
9. अधियाम्बो, डब्ल्यू.ए., ओडवार, ए.जे., और मिल्ड्रेड, ए.ए. (2011)। जर्नल ऑफ इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एजुकेशनल रिसर्च एंड पवलिसी स्टडीज (जेटरैप्स), 2(6)।

❖❖❖